लखनऊ
सोमवार, 19 जून 2023
वर्षः-07 अंकः-47
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

अवसर का इंतजार नही, निर्माण करना सीखो।।

पीएम मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा

पिछली यात्राओं के मुकाबले खास है...

राजकीय दौरे बेहद दुर्लभ और सम्मानजनक होते हैं, और इन्हें दोस्ताना द्विपक्षीय संबंधों की सर्वोच्च अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है. राजकीय यात्रा किसी राज्य प्रमुख द्वारा अपने आधिकारिक आवास पर आने के लिए दिया गया निमंत्रण होता है, और ऐसा केवल करीबी सहयोगियों को ही दिया जाता है।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क कहा जाने वाला अमेरिका 22 जून को रेड कारपेट बिछाएगा, और इसी के साथ ढट मोदी दुनिया के तीसरे नेता बन जाएंगे, जिन्हें मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह सम्मान दिया. जो बाइडेन ने इससे पहले फ्रांस के इमानुएल मैक्रॉन और दक्षिण कोरिया के यून सुक येओल को ही राजकीय यात्रा और भोज के लिए आमंत्रित किया है. अमेरिका की ओर से यह सर्वोच्च राजनयिक स्वागत आमतौर पर केवल निकटतम सहयोगियों को ही दिया जाता है।

जो बाइडेन प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजकीय यात्रा का आमंत्रण दोनों देशों के बीच गहरी और घनिष्ठ साझेदारी का संकेत है. प्रधानमंत्री के रूप में अपने नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान नरेंद्र मोदी की अमेरिका की यह पहली राजकीय यात्रा होगी. इससे पहले, अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जाने वाले अंतिम भारतीय प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह थे, जो नवंबर, 2009 में अमेरिका गए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्राओं को वर्किंग विज़िट (2014), वर्किंग लंच (2016) और आधिकारिक वर्किंग विज़िट (2017) बताया गया था. वर्ष 2019 की उनकी यात्रा को अमेरिकी विदेश विभाग की वेबसाइट में ऐसी यात्रा बताया गया है, जिसमें उन्होंने "ह्यूस्टन, टेक्सास में एक रैली में भाग लिया।

अमेरिका द्वारा भारत को ऐसा सम्मान देना दिखाता है कि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के लिए मजबूत प्रतिकारी बल विकसित करने के अमेरिकी प्रयास के लिए भारत कितना महत्वपूर्ण है।

राजनयिक प्रोटोकॉल के अनुसार आधिकारिक विज़िट, आधिकारिक वर्किंग विज़िट या सरकारी अतिथि के तौर पर यात्रा के मुकाबले राजकीय यात्रा सर्वोच्च स्तर की यात्रा मानी जाती है.

वर्ष 1961 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी और प्रथम महिला जैकलीन कैनेडी ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लिए पहले राजकीय रात्रिभोज की मेजबानी की थी. उसके बाद वर्ष 1963 में तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति एस. राधाकृष्णन राजकीय यात्रा पर अमेरिका गए थे.

क्या होता है राजकीय यात्रा पर...?

राजकीय यात्रा के दौरान आमतौर पर फ्लाइट लाइन समारोह आयोजित होता है, जिसके तहत आने वाले राज्य प्रमुख का अमेरिकी धरती पर लैंड करते ही टरमैक पर ही स्वागत किया जाता है, व्हाइट हाउस पहुंचने पर 21 तोपों की सलामी दी जाती है, व्हाइट हाउस में रात्रिभोज आयोजित किया जाता है, राजनयिक उपहारों का आदान-प्रदान होता है, अमेरिकी राष्ट्रपति के पेन्सिलवेनिया एवेन्यू में स्थित गेस्टहाउस में ठहरने का आमंत्रण दिया जाता है, और फ्लैग स्ट्रीटलाइनिंग की जाती है।

आमतौर पर राजकीय यात्राओं पर केवल राज्य प्रमुख को आमंत्रित किया जाता है. भारत जैसे संसदीय लोकतंत्रों के मामले में सरकार प्रमुख को आमंत्रित किया जाता है।

अतिथि राज्य प्रमुख के स्वागत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ चुनिंदा राजनेता भी होते हैं, जिनमें राष्ट्रपति के मंत्रिमंडल सदस्य और संसद के प्रमुख सदस्य भी मौजूद रहते हैं।

परम्परागत रूप से राजकीय रात्रिभोज व्हाइट हाउस के स्टेट डाइनिंग रूम में आयोजित किए जाते रहे हैं, लेकिन हाल के राष्ट्रपतियों ने अधिक मेहमानों को शामिल करने और कार्यक्रम को अधिक भव्य बनाने के लिए व्हाइट हाउस के लॉन में भोज की मेजबानी की है, जिनमें 100-120 मेहमान मौजूद हो सकते हैं.अमेरिका द्वारा भारत को ऐसा सम्मान देना दिखाता है कि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के लिए मजबूत प्रतिकारी बल विकसित करने के अमेरिकी प्रयास के लिए भारत कितना महत्वपूर्ण है।

वर्ष 1961 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी और प्रथम महिला जैकलीन कैनेडी ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लिए पहले राजकीय रात्रिभोज की मेजबानी की थी. उसके बाद वर्ष 1963 में तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति एस. राधाकृष्णन राजकीय यात्रा पर अमेरिका गए थे।

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को आखिरी समन, 4 जुलाई को पेश होने का आदेश

रांची। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी से जुड़े मामले में अब रांची कोर्ट ने उन्हें 4 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है. कोर्ट की ओर से कांग्रेस नेता को जारी यह आखिरी समन है. ऐसे में अगर वह इस बार भी पेश नहीं होते हैं तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

दरअसल इस मामले में प्रदीप मोदी नामक व्यक्ति ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है, जिस पर रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट इस केस में राहुल गांधी को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने से छूट देने की याचिका को पहले ही खारिज कर दिया थ।

राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट से मांगा 15 दिन का समय

ऐसे में राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट से 15 दिन का समय मांगा, जिस पर कोर्ट ने राहुल गांधी को आखिरी समन जारी करते हुए 4 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है।

वहीं शिकायतकर्ता प्रदीप मोदी के वकील कुशल अग्रवाल ने अदालत के इस फैसले पर आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि राहुल गांधी शुरू से ही इस मामले में पेशी को लेकर अनिच्छा दिखा रहे हैं, जबकि कोर्ट सशरीर पेशी से छूट की याचिका पहले ही खारिज कर चुकी है. इसके साथ ही उन्होंने कहा, ह्यराहुल गांधी को यह आखिरी समन है. अगर वह इस बार पेश नहीं होते हैं तो राहुल गांधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है।

राहुल की किस टिप्पणी पर छिड़ा विवाद

वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोल्लार की एक रैली में नीरव मोदी, ललित मोदी और प्रधानमंत्री का जिक्र करते हुए कहा था, ह्यसभी चोरों का सरनेम कैसे मोदी कैसे है?

राहुल गांधी की इसी टिप्पणी को लेकर रांची के रहने वाले प्रदीप मोदी ने उनके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था. उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय की मानहानि की है।

सभी नागरिकों पर लागू हो एक समान कानून, भले लोगों की धार्मिक आस्था कुछ भी हो: डॉ. राजेश्वर सिंह

▶▶ सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया यूसीसी का स्वागत, लोगों से की विधि आयोग को राय देने की अपील

▶▶ भावी पीढ़ी की रक्षा और सभ्यता के पोषण के लिए यूसीसी पर जरूर दें अपनी राय

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। समान नागरिक संहिता को लेकर केंद्र सरकार आगे बढ़ चुकी है, इस संबंध में सरकार द्वारा गठित 22वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता पर आम जनता और धार्मिक संस्थानों के प्रमुखों से राय मांगने और विचार विमर्श करने का काम भी शुरू कर दिया है।

इस संबंध में वृहस्पतिवार को सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने देश की भावी पीढ़ियों की रक्षा और सभ्यता के पोषण के लिए सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि वे विधि आयोग के साथ अपनी बहुमूल्य राय अवश्य साझा करें।

विधि आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता पर आम जनता से राय मांगे जाने पर सरोजनीनगर विधायक ने ट्वीट कर कहा कि ऐसे सामूहिक विचार और परामर्शी नीति-निर्माण ही हमारे लोकतंत्र को वास्तव में जीवंत बनाते हैं।

समान नागरिक संहिता को देश के लिए जरूर बताते हुए उन्होंने आगे लिखा कि समान नागरिक संहिता सभी नागरिकों के लिए एक कानून बनाने की मांग करती है, जो विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने के मामलों में सभी धार्मिक समुदायों पर लागू होगा।

पूरे भारत में सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता विवाह समारोहों, विरासत, उत्तराधिकार, गोद लेने के आसपास के जटिल कानूनों को सरल बनाकर उन्हें सभी के लिए एक कर देगी, जो संविधान के अनुच्छेद 44 के अनुकूल है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने लिखा कि सभी नागरिकों पर एक समान कानून लागू होने चाहिए भले ही नागरिकों की धार्मिक आस्था कुछ भी हो।

सरोजनीनगर विधायक ने ट्वीट कर लोगो से सामान नागरिक संहिता पर अपने विचार देने का आग्रह किया और अपनी बात रखते हुए यूसीसी का समर्थन एवं स्वागत किया जिस पर जनता की ओर से निरंतर सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है।

बता दें कि सरोजनी नगर विधायक डॉ राजेश्वर सिंह पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रहें हैं, जिनका उत्तर प्रदेश पुलिस में 10 साल का तथा प्रवर्तन निदेशालय में 11 साल का लंबा प्रशासनिक अनुभव रहा है और कानून के रक्षक के रूप में उनका पुराना अनुभव तथा वर्तमान में उत्तर प्रदेश की विधान सभा के सदस्य एवं सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता के रूप में लोगों के अधिकारों से जुड़े उनके विचार अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरुस्कार

वाराणसी। केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा गीता प्रेस को गांधी शांति पुरुस्कार वर्ष 2021 के लिए चयन किया गया है। संस्कृति मंत्रालय के द्वारा गीता प्रेस को पुरस्कार दिए जाने की घोषणा के बाद पीएम मोदी से लेकर तमाम नेताओं ने बधाई दिया, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने इसका विरोध कर नया विवाद शुरू कर दिया है। कांग्रेस के महासचिव जय राम नरेश ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने पर गीता प्रेस की तुलना सावरकर और गोडसे से कर दिया गया। कांग्रेस नेता के द्वारा गीता प्रेस की तुलना सावरकर और गोडसे से किए जाने पर अखिल भारतीय संत समिति ने कांग्रेस के नेता के बयान पर आपत्ति दर्ज करवाई है।

गीता प्रेस को पुरस्कार दिया जाना गोडसे और सावरकर को पुरस्कार देने जैसा

गांधी शांति पुरस्कार वर्ष 2021 की घोषणा संस्कृति मंत्रालय ने गीता प्रेस गोरखपुर केंद्र को दिए जाने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम नरेश ने बीजेपी पर जमकर कटाक्ष किया गया। जयराम नरेश ने गीता प्रेस की तुलना गोडसे और सावरकर से करते हुए कहा कि, ह्लगीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिया जाना, गोडसे और सावरकर को पुरस्कार दिए जाने जैसा है

अखिल भारतीय संत समिति ने कांग्रेस के बयान पर जताई आपत्ति

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने की घोषणा पर कांग्रेस द्वारा गीता प्रेस की तुलना सावरकर और गोडसे से किए जाने से संतों में आक्रोश का माहौल है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कांग्रेस महासचिव जयराम नरेश के बयान पर आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि, जिस प्रकार कांग्रेस के द्वारा गीता प्रेस की तुलना गोडसे और सावरकर से किया गया वह बेहद निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी ने मौलाना मदनी को जीवनभर राज्यसभा भेजा और जाकिर नाइक को देश में पालकर रखा। उस समय कभी भी हम सभी ने मुखर स्वर नही उठाया, जिस प्रकार से गीता प्रेस को शांति पुरस्कार दिए जाने से दिक्कत हो रही है, ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस भारत की जड़ों से कट चुकी है।

निर्बल वर्ग के विद्युत उपभोक्ताओं को योगी सरकार का तोहफा

मात्र 100 रुपए में जुड़वा सकेंगे कटा हुआ विद्युत कनेक्शन

▶▶ संयोजन काटने एवं जोड़ने का शुल्क आरसीडीसी 31 जुलाई तक किया माफ

▶▶ विच्छेदित संयोजन के बकाए का 25 प्रतिशत जमा करने की सीमा भी 31 जुलाई तक समाप्त

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। प्रदेश के निर्बल वर्ग के विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए योगी सरकार ने 1 किलोवाट के घरेलू विद्युतकनेक्शन को जोड़ने एवं काटने (आरसीडीसी) के शुल्क को 31 जुलाई तक माफ करने का निर्णय लिया है। साथ ही आंशिक भुगतानकी न्यूनतम सीमा कुल बकाए का 25 प्रतिशत को भी शिथिल कर दिया गया है। अब गरीब उपभोक्ता अपने बकाया में से न्यूनतम 100 रुपए जमा करके विच्छेदित कनेक्शन जुड़वा सकता है।

1 किलोवाट भार वाले उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

उ0 प्र0 पावर कारपोरेशन अध्यक्ष एम देवराज ने बताया है कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अन्तर्गत एलएमवी 1 श्रेणी के अन्तर्गत घरेलू उपभोक्ताओं के संयोजन बकाया लम्बित होने पर विच्छेदित कर दिए जाते है। उपभोक्ता द्वारा सम्पूर्ण बकाया याआंशिक रूप से बकाया जमा करने के बाद आरसीडीसी कनेक्शन (काटने एवं जोड़ने) शुल्क के रूप में लगभग 600 रुपए की धनराशिअतिरिक्त जमा करना होता है। प्रायः गरीब उपभोक्ताओं द्वारा आंशिक रूप से 500 से एक हजार रुपए तक ही बिल की राशि जमा कीजाती है। इस स्थिति में उनके द्वारा आरसीडीसी शुल्क के रूप में 600 रुपए जमा किया जाना सम्भव नहीं हो पाता है, जिसके कारणविद्युत संयोजन पुर्नसंयोजित भी नहीं हो पाता है। इसके अतिरिक्त यह भी व्यवस्था है कि यदि बकाए पर संयोजन विच्छेदित है तब उसस्थिति में उपभोक्ता द्वारा 25 प्रतिशत से कम राशि आंशिक रूप में स्वीकार नहीं की जाती हैं। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप समस्तगरीब उपभोक्ताओं को राहत देते हुए आरसीडीसी शुल्क को माफ करने तथा 1 किलोवाट विद्युत भार तक के घरेलू उपभोक्ताओं केविच्छेदित संयोजन को जोड़ने के लिए कुल बकाए का 25 प्रतिशत जमा करने की व्यवस्था को 31 जुलाई, 2023 तक समाप्त करनेका निर्णय लिया गया है।

दिल्ली के आरके पुरम में ताबड़तोड़ फायरिंग, दो बहनों की मौत

करण वाणी, न्यूज

दिल्ली के आरके पुरम इलाके में रविवार को फायरिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। फायरिंग में दो महिलाओं को गोली लग गई। इसके बाद घायल महिलाओं इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां दोनों ने दम तोड़ दिया।

आरके पुरम थाना इलाके में सनसनीखेज घटना सामने आई है। रविवार तड़के सुबह साढ़े चार बजे बदमाशों ने अंबेडकर बस्ती में दो बहनों को गोली मार दी। जख्मी दोनों बहनों को दिल्ली के एसजे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उनकी मौत हो गई।

सीएम केजरीवाल ने एलजी को घेरा

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने डर्बल मर्डर की घटना पर शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा है कि ईश्वर दोनों मृतकों की आत्माओं को शांति दें। केजरीवाल ने दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल भी उठाया है।

दिल्ली की जनता खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर रही है, जिन्हें कानून व्यवस्था संभालनी है, वो लोग दिल्ली सरकार पर कब्जा करने का षड्यंत्र रचने में जुटे हैं। अगर दिल्ली की कानून व्यवस्था आप सरकार देख रही होती तो दिल्ली सबसे सुरक्षित होती।

इलाके में मचा हड़कंप

गोली की आवाज सुन इलाके में हड़कंप मच गया। किसी ने फायरिंग की की सूचना पुलिस को दी, तो तत्काल एक टीम मौके पर पहुंची। मृतक दोनों बहनों के नाम पिंकी और ज्योति है। पिंकी की उम्र उम्र 30 साल और ज्योति की उम्र 29 साल बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पैसों के विवाद में दोनों बहनों की हत्या हुई है।

बताया जा रहा है कि बदमाशों से ज्योति और पिंकी के भाई ने 15 हजार रुपये लिए थे। इसी पैसों को बदमाश सुबह लेने आए थे। ज्योति और पिंकी की भाभी ने बताया कि बदमाशों ने घर के दरवाजे को कई बार धक्का दिया, लेकिन दरवाजा किसी ने नहीं खोला। इसके बाद बदमाश दोबारा सुबह साढ़े चार बजे आए। फिर दरवाजा खटखटाया। इस बार घर के परिजनों ने दरवाजा खोल दिया।

साउथ वेस्ट दिल्ली के डीसीपी मनोज सी ने बताया कि आरके पुरम थाना क्षेत्र के अंबेडकर बस्ती इलाके में अज्ञात हमलावरों ने आज रविवार को दो महिलाओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

दो बदमाश गिरफ्तार

पुलिस का कहना है कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गोली मारने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अभी डीसीपी ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

भाई को बचाने के चक्कर में बहनों की गई जान

परिजनों के अनुसार भाई को बदमाश गोली मारने वाले थे, लेकिन

उनके सामने दोनों बहने आ गईं। इसके बाद बदमाशों ने इन्हे ही निशाना बनाते हुए गोली चला दी। गोली लगते ही दोनों बहनें जमीन पर गिर गईं। उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भाजपा नेता पर शिकंजा, पुलिस ने कुर्क की 11 करोड़ की अवैध संपत्ति

भाजपा नेता और वर्तमान में मोरना के ब्लॉक प्रमुख अनिल राठी पर शिकंजा कसा गया है। पुलिस ने शुक्रवार को अनिल राठी की 11 करोड़ की अवैध संपत्ति को कुर्क कर लिया। बताया गया कि 2003 में आठ लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था

मुजफ्फरनगर में भोपा थाना क्षेत्र के गांव करहेड़ा निवासी भाजपा नेता और वर्तमान में मोरना के ब्लॉक प्रमुख अनिल राठी की करीब 11 करोड़ की अवैध संपत्ति को पुलिस प्रशासन ने कुर्क कर लिया है। पुलिस ने संपत्ति पर बोर्ड भी लगा दिया।

प्रमुख अनिल राठी और कुख्यात सुशील मूंछ समेत आठ लोगों के विरुद्ध 2003 में अवैध शराब के मामले में थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। उस समय पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। सुशील मूंछ के मकान की पिछले दिनों कुर्की हो चुकी है। वहीं, अब शुक्रवार को प्रशासन ने अनिल प्रमुख की अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्ति पर कुर्की का बोर्ड लगा दिया।

गर्मी से 100 से ज्यादा की मौत, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

यूपी और बिहार सहित पूरा उत्तर भारत इन दिनों सूरज की तपिश से झुलस रहा है. भीषण गर्मी और लू की वजह से यूपी और बिहार में पिछले तीन दिनों में मरने वालों की संख्या 100 के पार पहुंच गयी है. मौसम विभाग के मुताबिक 19 जून तक गर्मी का ये सितम जारी रहेगा, कई शहरों में अगले 24 घंटे में हीड वेव के और भीषण होने की चेतावनी है।

सौतेले देवर के प्यार में पत्नी ने की पति की हत्या, शव के सैप्टिक टैंक में छुपाया

मृतक सागर अली जब घर से बाहर रहता तभी सुहेल, भाभी आशिया के पास पहुंच जाता. सागर अली ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया, जिसके बाद उन्होंने उसकी हत्या का प्लान बना लिया।

करण वाणी, न्यूज

मुजफ्फरनगर में बेहद खौफनाक वारदात सामने आई है, जहां देवर-भाभी के नाजायज संबंधों में बाधा बन रहे पति को पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर मौत के घाट उतार दिया. इसके बाद दोनों ने शव को टॉयलेट के गड्ढे में डाल दिया. जब दुर्गंध फैलने लगी तो दोनों ने लाश को गड्ढे से निकालकर निमार्णाधीन मकान में दफन कर दिया. घटना का खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों को पत्नी की हरकतों पर शक हुआ, जिसके बाद मृतक के भाईयों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया. दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली है.

मृतक के सौतेले भाई ने हत्या की बात कबूल करते हुए लाश को ठिकाने लगाने की बात बताई. पुलिस ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने वाली पत्नी और मृतक के सौतेले भाई को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर मकान में दफनाई गई लाश को बरामद कर लिया है.

पति के सौतेले भाई से थे अवैध संबंध

ये वारदात मुजफ्फरनगर जनपद के थाना पुरकाजी क्षेत्र के मांडला गांव की है. जहां 36 साल का सागर अली अपनी पत्नी 34 वर्षीय आशिया और तीन बच्चों के साथ रहता था. सागर अली कपड़ों की फेरी लगाकर अपने परिवार का गुजर-बसर करता था. उसका सौतेला भाई 25 वर्षीय सुहेल रुड़की में रहता था और पांच महीने पहले ही सऊदी अरब से लौटा था. सुहेल का अक्सर सागर अली के घर आना-जाना था. इस बीच उसका सागर की पत्नी आशिया से नजदीकियां बढ़ गई. आशिया के कहने पर सुहेल ने उसी गांव में 100 गज की जमीन भी खरीद ली और उस पर मकान बनाना शुरू कर दिया.

सागर अली जब भी अपने काम के सिलसिले में घर से बाहर रहता तभी सुहेल अपनी भाभी आशिया के पास पहुंच जाता. करीब एक महीने पहले सागर अली देर रात अचानक घर पहुंचा तो दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया. जिसके बाद पति पत्नी के बीच जमकर झगड़ा हुआ और उसने सुहेल के घर आने पर पाबंदी लगा दी. जिसके बाद आशिया और सुहेल ने उसे ही रास्ते से हटाने का प्लान बना लिया.

पति को बेहोश करके घोंटा गला

करीब 10 दिन पहले आशिया ने सागर अली के खाने में बेहोशी की दवा

मिला उसे अचेत कर दिया. इसके बाद प्रेमी के साथ मिलकर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी. उसके बाद लाश को ठिकाने लगाने के लिए घर में बने टॉयलेट के गड्ढे का स्लैप हटाकर लाश को उस में डाल दिया. अगले दिन आशिया ने पुरकाजी पुलिस स्टेशन में पति की गुमशुदगी दर्ज करा दी. दो दिन बाद जब टॉयलेट के गड्ढे से दुर्गंध आनी शुरू हुई तो आशिया ने टॉयलेट के गड्ढे के पास धूप बत्ती लगा दी और कहा कि किसी तांत्रिक ने बताया है कि घर में धूपबत्ती लगाओ तो तुम्हारे लापता पति का पता चल जाएगा.

आशिया के इस बर्ताव के चलते परिजनों और पड़ोसियों को उस पर शक हुआ और उन्होंने आशिया से टॉयलेट का गड्ढा साफ कराने की बात कही. जिसके बाद आशिया ने अगले ही दिन प्रेमी सुहेल के साथ मिलकर देर रात टॉयलेट के गड्ढे से पति की लाश को निकालकर सुहेल के निमार्णाधीन मकान में गड्ढा खोदकर दफन कर दिया. आधी रात को जब आशिया और सुहेल तस्ले में मिट्टी भरकर मकान में डाल रहे थे तो पड़ोसियों का शक और गहरा हो गया. पति की लाश को दफन करने के बाद दोनों एक बार फिर घर चले गए.

परिजनों और पड़ोसियों ने रंगे हाथ पकड़ा

इसी बीच सागर अली के परिजन और पड़ोसी घर में पहुंच गए और उन्होंने आशिया और उसके प्रेमी को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया. इसके बाद सभी ने उनकी बुरी तरह पिटाई की. सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने सागर अली की हत्या का जुर्म कबूल कर लिया है. पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर निमार्णाधीन मकान के उसकी लाश को बरामद कर लिया है.

ग्रामीणों के मुताबिक सागर अली के पिता की दो पत्नियां थी. एक पत्नी से सागर अली और दो छोटे भाई हैं जबकि दूसरी पत्नी से सुहेल है. सुहेल रुड़की का रहने वाला है और 5 वर्ष से सऊदी अरब में वेल्डिंग मैकेनिक का कार्य कर रहा था. कुछ समय पहले ही वो वापस लौटा था.

पुलिस के लिए चुनौती बनीं चार डॉन की पत्नियां,

कानून के लंबे हाथ भी इन्हें पकड़ने में नाकाम

पंकज सिंह चौहान

लखनऊ, करण वाणी। कहते है कि अपराधी ज्यादा दिनों तक पुलिस की पकड़ से नहीं बच सकता, लेकिन इसे उत्तर प्रदेश के चार माफियाओं की पत्नियों ने गलत साबित कर दिया है। इनमें से तीन माफियाओं की हत्या हो चुकी है और एक माफिया पिछले कई सालों से सलाखों केपीछे है।इन माफियाओं की पत्नियों पर मामले दर्ज हैं, लेकिन इनको पुलिस पकड़ नहीं पा रही हैं। इनको पकड़ने के लिएपुलिसझप्रशासन ने स्पेशल टीम बना रखी हैं, लेकिन असफलता ही हाथ लग रही है।

लिस्ट में पहला नाम माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता का

इन चार पत्नियों में सबसे पहला नाम है कुख्यात माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन का। पुलिस की वांटेड लिस्ट में सबसे पहले और सबसे बड़ा नाम शाइस्ता का ही है। उमेश पाल हत्याकांड से पहले शाइस्ता प्रयागराज से बहुजन समाज पार्टी की मेयर पदकी उम्मीदवार थी, लेकिन इस उमेश पाल हत्याकांड ने शाइस्ता का सबकुछ बदल कर रख दिया। शाइस्ता उमेश पाल हत्याकांड के बादसे फरारी काट रही है, पुलिस शाइस्ता को अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

पुलिस ने दावा किया कि शाइस्ता उमेश पाल हत्याकांड की मास्टरमाइंड थी और उसने शूटरों को पैसे दिए थे। हत्याकांड में शामिलशूटरों में से एक शाइस्ता के तीसरे बेटे असद की 13 अप्रैल को झांसी में एसटीएफ ने मार गिराया। इसके दो दिन बाद 15 अप्रैल को माफिया अतीक अहमद और उसका भाई माफिया अशरफ को तीन हमलावरों ने पुलिस हिरासत में गोली मारकर हत्या कर दी थी। शाइस्ता के पति, बेटे और देवर को कसारी मसारी परिवार के कब्रिस्तान में एक दूसरे के पास दफनाया गया, लेकिन शाइस्ता उनके लिए शोक मनाने नहीं आई।

शाइस्ता पर है 50 हजार का इनाम

माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को गिरफ्तार करने के लिए एसटीएफ कब्रिस्तान में अलर्ट पर थी कि शाइस्ता आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लगभग चार महीने हो गए हैं, लेकिन शाइस्ता परवीन का कोई सुराग नहीं है। शाइस्ता पर 50 हजार का इनामभी है। पुलिस उसकी तलाश में देश के कई राज्यों और शहरों में छापे मार चुकी है, लेकिन उसे सिवाय निराशा के कुछ और हाथ नहीं लगरहा है।

माफिया अशरफ की पत्नी जैनब भी पुलिस की पहुंच से बाहर

पुलिस को चकमा देने वाली दूसरी महिला मारे गए माफिया अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा है। जैनब भी उमेश पाल हत्याकांड के बादसे फरारी काट रही है। पति अशरफ की हत्या हुई तब भी जैनब नहीं आई।जैनब उमेश पाल हत्याकांड में भी आरोपी है। जायदाद को लेकर शाइस्ता और जैनब के बीच अनबन की खबरें आ रही हैं। सूत्रों का यह भी दावा है कि दोनों एक साथ छिपी हुई हैं और आत्मसमर्पण करने के लिए सही समय का इंतजार कर रही हैं।

माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा को भी तलाश रही है पुलिस

फरार पत्नियों में तीसरा नाम जरायम की दुनिया का बेताज बादशाह बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशा अंसारीका है। मुख्तार अंसारी के अलावा बेटे अब्बास अंसारी और बहु निकहत अंसारी जेल में हैं, जबकि मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारीको भी हाल ही में गिरफ्तार किया गया था। अफशा पर नौ मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से कुछ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। पुलिस अंसारी बंधुओं के हर संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है, लेकिन अफशा अंसारी पकड़ से बाहर है।

चौथा नाम माफिया संजीव माहेश्वरी की पत्नी पायल का

पुलिस की लिस्ट में चौथा नाम माफिया संजीव महेश्वरी जीवा की पत्नी पायल माहेश्वरी का है। संजीव की 7 जून को लखनऊ जिलान्यायालय कोर्ट में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पायल माहेश्वरी ने अपनी जान को खतरा होने का दावा करते हुए 8 जून कोसुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। पायल को डर था कि उसके पति की मृत्यु के बाद उसे गिरफ्तार किया जा सकता है और उसने कोर्ट में आग्रह किया कि वह अपने पति के अंतिम संस्कार में शामिल होना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने पायल की याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और बाद में अपने पति के दाह संस्कार में शामिल नहीं हुईं। बता दें कि पायल पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

माफियाओं की फरार पत्नियों के मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई टीम इनकी तलाश में सक्रिय हैं। इनकी गिरफ्तारी से कई मामलों में नई बातें सामने आना तय है। उन्होंने कहा कि अतीक, अशरफ और मुख्तार की पत्नियां बुर्का पहनकर चलती हैं और बुर्के में किसी भी महिला को पहचान पाना बेहद ही मुश्किल भरा काम है, जिससे उन्हें खोजने में और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यूपी में 8 आईपीएस के तबादले

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने चार पुलिस कमिश्नरेट में आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं. रवि शंकर छवि को डीआईजी लोक शिकायत बनाया गया है. वे अभी गौतमबुद्धनगर में तैनात थे. वहीं, अमित वर्मा राज्य विशेष अनुसंधान दल के आईजी बने रहेंग।

करण वाणी, न्यूज

यूपी सरकार ने आठ आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए हैं. ये सभी बदलाव प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ और गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में किए गए हैं. नए डीजीपी विजय कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं. नीलाब्जा चौधरी का लखनऊ से तबादला कर दिया गया है. वे अब जॉइंट पुलिस कमिश्नर (क्राइम) कानपुर बनाए गए हैं. वहीं, आकाश कुलहरी को भी प्रयागराज से लखनऊ लाया गया है. वे प्रयागराज में अपर पुलिस आयुक्त थे. अब लखनऊ के नए संयुक्त पुलिस आयुक्त, अपराध एवं मुख्यालय कमिश्नरेट (खउढ उप्री) बनाए गए हैं.

इसी तरह, रवि शंकर छवि का भी गौतमबुद्धनगर से तबादला कर दिया गया है. वे वहां अपर पुलिस आयुक्त थे. अब लखनऊ में डीआईजी लोक शिकायत बनाए गए हैं. अमित वर्मा राज्य विशेष अनुसंधान दल (रसक्ळ) के आईजी बने रहेंगे. उनका कानपुर में अपर पुलिस आयुक्त के लिए तैनाती का आदेश निरस्त कर दिया गया है.

प्रयागराज में ऊउढ बने पवन कुमार

आईपीएस अफसर बबलू कुमार को एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी मिली है. वे अब नोएडा (गौतमबुद्धनगर) में एडिशनल पुलिस कमिश्नर होंगे. इससे पहले वो लखनऊ में भ्रष्टाचार निवारण संगठन में डीआईजी के रूप में पदस्थ थे. वहीं, पवन कुमार को प्रयागराज कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त (ऊउढ) बनाया गया है. वे अब तक एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स

विभाग में पुलिस अधीक्षक थे.

सुनीति को नोएडा में डीसीपी बनाया

श्रीमती सुनीति को गौतमबुद्धनगर (नोएडा) में पुलिस उपायुक्त (ऊउढ) बनाया गया है. वे अभी लखनऊ में प्रशासन मुख्यालय में एसपी के रूप में तैनात थीं. श्रद्धा नरेंद्र पांडे को प्रयागराज कमिश्नरेट का पुलिस उपायुक्त (ऊउढ) बनाया गया है. वे लखनऊ में मुख्यालय पुलिस महानिदेशक में एसपी के रूप में पदस्थ थीं।

ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती का सही समय

किसान इस समय गर्मी यानी जायद में बोई जाने वाली मूंग की बुवाई कर सकते हैं। मूंग जैसी दलहनी फसलों की बुवाई से यह फायदा होता है कि यह खेत में नाइट्रोजन की मात्रा को बढ़ाती हैं, जिससे दूसरी फसलों से भी बढ़िया उत्पादन मिलता है।

मूंग की फसल के लिए ज्यादा बारिश नुकसानदायक होती है, ऐसे क्षेत्र जहां पर 60-75 सेमी तक वार्षिक बारिश होती है, मूंग की खेती वहां के लिए उपयुक्त होती है। मूंग की फसल के लिए गर्म जलवायु की जरूरत पड़ती है।

मूंग की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में सफलतापूर्वक की जाती है, लेकिन मध्यम दोमट, मटियार भूमि समुचित जल निकास वाली, जिसका पीएच मान 7-8 हो इसके लिए उत्तम होती है।

ऐसे करें खेत की तैयारी

खेत की पहली जुताई हैरो या मिट्टी पलटने वाले रिजर हल से करनी चाहिए। इसके बाद दो-तीन जुताई कल्टीवेटर से करके खेत को अच्छी तरह भुरभरा बना लेना चहिए। आखिरी जुताई में लेवलर लगाना अति जरूरी है, इससे खेत में नमी लम्बे समय तक संरक्षित रहती है। दीमक से ग्रसित भूमि को फसल की सुरक्षा के लिए क्यूनालफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से अंतिम जुताई से पहले खेत में बिखेर दें और उसके बाद जुताई कर उसे मिट्टी में मिला दें।

मूंग की इन किस्मों की करें बुवाई

पूसा वैसाखी - फसल अवधि 60-70 दिन , पौधे अर्ध फैले वाले, फलियाँ लम्बी , उपज 8-10 क्विंटल/ हैक्टेयर

मोहिनी - फसल अवधि 70-75 दिन, उपज 10-12 क्विंटल/ हैक्टेयर पीला मोजैक वायरस व सर्कोस्पोरा लीफ स्पोट रोग के प्रति सहनशील।

पन्त मूंग 1 : - फसल अवधि 75 दिन (खरीफ) तथा 65 (जायद) दिन , उपज क्षमता 10-12 क्विंटल/ हैक्टेयर

एमएल 1 : - फसल अवधि 90 दिन , बीज छोटा व हरे रंग का , उपज क्षमता 8-12 क्विंटल/ हैक्टेयर।

वर्षा - यह अगेती किस्म है , उपज क्षमता 10 क्विंटल/ हैक्टेयर

सुनैना - फसल अवधि 60 दिन , उपज क्षमता 12-15 क्विंटल/ हैक्टेयर ग्रीष्म मौसम के लिए उपयुक्त .

जवाहर 45 : - इस किस्म को हाइब्रिड 45 भी कहा जाता है, फसल 75-85 दिन अवधि उपज क्षमता 10-13 क्विंटल/ हैक्टेयर, खरीफ के मौसम के लिए उपयुक्त .

कृष्ण 11: - अगेती किस्म फसल अवधि 65-70 दिन , उपज क्षमता 10-12 क्विंटल/ हैक्टेयर **पन्त मूंग 3** : - फसल अवधि 60-70 दिन, ग्रीष्म ऋतू में खेती के लिए उपयुक्त, पीला मोजैक वायरस तथा पाउडरी मिल्ड्यू रोधक ।

अमृत - फसल आधी 90 दिन यह खरीफ मौसम के लिए उपयुक्त की है , पीला मोजैक वायरस रोग के प्रति सहनशील , उपज क्षमता 10-12 क्विंटल/ हैक्टर।

बीज की मात्रा और बीजोपचार

खरीफ मौसम में मूंग का बीज 12-15 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर लगता है।

जायद में बीज की मात्रा 20-25 किलोग्राम प्रति एकड़ लेना चाहिए। 3 ग्राम थायरम फफूंदनाशक दवा से प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करने से बीज और भूमि जन्य बीमारियों से फसल की सुरक्षित रहती है।

600 ग्राम राइजोबियम कल्चर को एक लीटर पानी में 250 ग्राम गुड़ के साथ गर्म कर ठंडा होने पर बीज को उपचारित कर छाया में सुखा लेना चाहिए और बुवाई कर देनी चाहिए। ऐसा करने से नत्रजन स्थरीकरण अच्छा होता है।

फसल बुवाई का समय

बुवाई खरीफ और जायद दोनों फसलो में अलग अलग समय पर की जाती है।

खरीफ में जून के अन्तिम सप्ताह से जुलाई के अंतिम सप्ताह तक बुवाई करनी चाहिए।

जायद में मार्च के प्रथम सप्ताह से

अप्रैल के द्वितीय सप्ताह तक बुवाई करनी चाहिए।

कतार से कतार के बीच दूरी 45 से.मी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 10 सेमी उचित है '

खाद और उर्वरक

खाद एवं उर्वरकों के प्रयोग से पहले मिटटी की जाँच कर लेनी चहिये' फिर भी कम से कम 5 से 10 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद देनी।

मूंग के लिए 20 किलो ग्राम नाइट्रोजन तथा 40 किलो ग्राम फास्फोरस 20 किलो ग्राम पोटाश 25 किलो ग्राम गंधक एवम् 5 किलो ग्राम जिंक प्रति हैक्टेयर की आवश्कता होती है।

सिंचाई

खरीफ की फसल में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है. परंतु फूल आने की अवस्था पर सूखे की स्थिति में सिंचाई करने से उपज में काफी बढ़ोतरी होती है.

खरीफ की फसल में वर्षा कम होने पर फलियाँ बनते समय एक सिचाई करने की आवश्यकता पड़ती है तथा जायद की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 30 से 35 दिन बाद और बाद में हर 10 से 15 दिन के अंतराल पर सिचाई करते रहना चाहिए जिससे अच्छी पैदावार मिल सकती है।

प्रथम निराई बुवाई के 20-25 दिन के भीतर व दूसरी 40-45 दिन में करना चाहिये।

फसल की बुवाई के एक या दो दिन बाद तक पेन्डीमेथलीनकी बाजार में उपलब्ध 3.30 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। फसल जब 25 -30 दिन की हो जाये तो एक गुड़ाई कस्सी से कर देनी चहिये या इमेंजीथाइपर की 750 मिली . मात्रा प्रति हेक्टयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर देना चाहिए।

रोग और कीट नियंत्रण

दीमकः बुवाई से पहले अंतिम जुताई के समय खेत में क्यूनालफोस 1.5 प्रतिशत या क्लोरोपैरिफॉस पॉउडर की 20-25 किलो ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला देनी चाहिए।

कातराः- इस कीट की लट पौधों को आरम्भिक अवस्था में काटकर बहुत नुकसान पहुंचती है ' कतरे की लटों पर क्यूनालफोस 1 .5 प्रतिशत पाउडर की 20-25 किलो ग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव कर देना चाहिये।

मोयला, सफेद मक्खी और हरा **तेलाः** इनकी रोकथाम के किये मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यू ए.सी या मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. 1.25 लीटर को प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए ।

फली छेदकः फली छेदक को नियंत्रित करने के लिए मोनोक्रोटोफास आधा लीटर या मैलाथियोन या क्युनालफांस 1.5 प्रतिशत पॉउडर की 20-25 किलो हेक्टयर की दर से छिड़काव /भुरकाव करनी चहिये।

चीती जीवाणु रोगः इस रोग की रोकथाम के लिए एग्रीमाइसीन 200 ग्राम या स्टेप्टोसाईक्लीन 50 ग्राम को 500 लीटर में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए क

पीत शिरा मोजैकः यह रोग एक मक्खी के कारण फैलता हैक इसके नियंत्रण के लिए मिथाइल डेमेटान 0.25 प्रतिशत व मैलाथियोन 0.1प्रतिशत मात्रा को मिलकर प्रति हेक्टयर की दर से 10 दिनों के अंतराल पर घोल बनाकर छिड़काव करना काफी प्रभावी होता है क

तना झुलसा रोगः इस रोग की रोकथाम हेतु 2 ग्राम मैकोजेब से प्रति किलो बीज दर से उपचारित करके बुवाई करनी चहिए। बुवाई के 30-35 दिन बाद 2 किलो मैकोजेब प्रति हेक्टयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चहिये ।

पीलिया रोग : इस रोग के कारण फसल की पत्तियों में पीलापन दिखाई देता है। इस रोग के नियंत्रण हेतू गंधक का तेजाब या 0.5 प्रतिशत फैरस सल्फेट का छिड़काव करना चहिये क

जीवाणु पत्ती धब्बा, फफुंदी पत्ती धब्बा और विषाणु रोगः इन रोगो की रोकथाम के लिए कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम , स्ट्राप्टोसाइलिन की 0.1 ग्राम और मिथाइल डेमेटान 25 ई .सी.की एक मिली.मात्रा को प्रति लीटर पानी में एक साथ मिलाकर पर्णीय छिड़काव करना चहिये '

फसल कटाई और गहाई का समय

मूंग की फलियों जब काली पड़ने लगे तथा सुख जाये तो फसल की कटाई कर लेनी चाहिएकअधिक सूखने पर फलियों चिटकने का डर रहता हैक फलियों से बीज को थ्रेसर द्वारा या डंडे द्वारा अलग कर लिए जाता है क

उत्पादन

वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर मूंग की 7 -8 कुंतल प्रति हेक्टयर वर्षा आधारित फसल से उपज प्राप्त हो जाती है कसिंचित फसल की औसत उपज 10-12 क्विटंल / हैक्टेयर तक हो सकती है।

भण्डारण

बीज के भण्डारण से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए. बीज में 8 से 10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं रहनी चाहिए. मूंग के भण्डारण में स्टोरेज बिन का प्रयोग करना चाहिए।

तरबूज की खेती में मिलेगा मुनाफा

तरबूज की फसल कम समय में होती है। लागत ज्यादा लगती है तो मुनाफा भी होता है। लेकिन इसमें कीट और रोग बहुत लगते हैं। ऐसे में जरूरी है किसान सही समय पर फसल बचाव के तरीके जरूर अपनाएं। आज की खबर में किसानों को कृषि वैज्ञानिक और एक्सपर्ट फसल बचाव की सलाह दे रहे हैं।

लखनऊ। तरबूज गर्मियों में खाया जाने पसंदीदा फल है। पानी से भरपूर तरबूज लोगों को तरोताजा तो रखता ही है, किसानों के लिए यह फायदे की खेती है। तरबूज कम दिन की फसल है और मुनाफा भी होता है लेकिन इसमें कीट और रोगों का प्रकोप भी खूब होता है। किसान और कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक जो किसान तरबूज की फसल को शुरूआती एक महीने संभाल ले जाते हैं, उनके मुनाफा कमाने के अवसर बढ़ जाते हैं।

तरबूज की बुवाई और रोपाई जनवरी से मार्च तक होती है। जबकि संरक्षित माहौल (यानि पॉलीहाउस लो-टनल, ग्रीन हाउस आदि) में किसान नवंबर-दिसंबर में भी बुवाई कर देते हैं। ज्यादातर किसान तरबूज के बीजों की सीधे बुवाई फरवरी में करते हैं, जबकि कुछ किसान जनवरी में पौध तैयार कर-के जनवरी के आखिर या फिर फरवरी में पौध लगाते हैं। तरबूज 75 से 90 दिन में तैयार होता है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमानों के आंकड़ों के मुताबिक साल 2020-21 में 115 हजार हेक्टेयर में तरबूज की खेती हुई है और अनुमानित उत्पादन 3205 हजार मीट्रिक टन है। वहीं खरबूजे की साल 2020-21 में 69 हजार हेक्टेयर में खेती हुई है और 1346 हजार मीट्रिक टन उत्पादन अनुमानित है। सामान्य परिस्थितियों में 20-30 टन प्रति हेक्टेयर का उत्पादन होता है लेकिन ये बीज, वैरायटी, जलवायु, किसान की कृषि पद्धति आदि के हिसाब से कम और ज्यादा हो सकता है।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के मुताबिक भारत में सबसे ज्यादा तरबूज का उत्पादन यूपी में होता है। साल 2017-18 की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपी में

करीब 619.65 मिलियन टन तरबूज का उत्पादन होता है जो, देश के कुल उत्पादन का 24 फीसदी है। दूसरे नंबर पर नंबर पर आंध्र प्रदेश था, जहां 360.08 मिलियन टन का उत्पादन हुआ, तीसरे नंबर पर कर्नाटक (336.85 टळ), चौथे पर पश्चिम बंगाल (234.30 टळ) पांचवें पर ओडिशा (226.98) था। तरबूज भारत ही नहीं कई देशों में चाव से खाया जाता है। पूरी दुनिया की बात को तरबूज का सबसे ज्यादा त्पादन चीन में होता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (ऋअड) के मुताबिक साल 2019 में चीन की पूरी दुनिया में हुए तरबूज उत्पादन में 67.78 फीसदी की भागीदारी थी, जिसके बाद दौरान टर्की दूसरे और भारत तीसरे नंबर पर था, जिसकी पूरी दुनिया के उत्पादन में भागीदारी मात्र 2.78 फीसदी थी। यानि तरबूज उत्पादन में अभी बहुत संभावनाएं हैं।

'आदिपुरुष' की कमाई पर शुरू हुआ विवादों का असर? कम हुआ तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन!

प्रभास की 'आदिपुरुष' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग से शुरुआत की थी. पहले दिन की कमाई से फिल्म ने कई रिकॉर्ड बनाए. शनिवार को फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट आई, जो बड़ी फिल्मों के लिए नॉर्मल है. रविवार को फिल्म से एक बड़े जंप की उम्मीद थी. लेकिन कलेक्शन बता रहा है कि ऐसा नहीं हुआ।

डायरेक्टर ओम राउत की 'आदिपुरुष' इन दिनों हर जगह चर्चा में है. रामायण पर बेस्ड इस फिल्म का इंतजार जनता को बेसब्री से था. इस एक्साइटमेंट का कमाल 'आदिपुरुष' की पहले दिन की कमाई पर भरपूर नजर आया. प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान स्टारर फिल्म ने शुक्रवार को इंडिया में ही 100 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया. ये किसी बॉलीवुड के लिए इंडिया में सबसे बड़ी ओपनिंग थी.

शनिवार को 'आदिपुरुष' के कलेक्शन में थोड़ी सी कमी आई. लेकिन ये गिरावट बहुत ज्यादा नहीं थी. 'पठान' और फ्फ्रजैसी कई बड़ी फिल्मों की कमाई में भी ऐसा ही ट्रेंड देखने को मिला था. बॉक्स ऑफिस पर रविवार का दिन बड़ा होता है और अच्छी रफ्तार से कमाने वाली फिल्में इस दिन, शुक्रवार से भी बेहतर कमाती हैं. अब 'आदिपुरुष' के तीसरे दिन का कलेक्शन सामने आने लगा है. फिल्म की कमाई के शुरूआती अनुमान कह रहे हैं कि रविवार को फिल्म उस बड़े जंप से चूक गई है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी.

रविवार का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

'आदिपुरुष' की कमाई में रविवार का दिन उतना बड़ा कलेक्शन नहीं लेकर आया, जिसकी उम्मीद फिल्म से की जा रही थी. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ने तीसरे दिन इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 69.1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. शनिवार के मुकाबले देखने पर फिल्म की कमाई में थोड़ी सी ज्यादा जरूर लगती है. लेकिन 'आदिपुरुष' जैसी बड़ी फिल्मों से रविवार को, ओपनिंग कलेक्शन के लेवल पर कमाई की उम्मीद की जाती है. इस उम्मीद पर प्रभास की फिल्म खरी नहीं उतर सकी.

हिंदी में बेहतर लेकिन बाकी वर्जन में कमजोर

रविवार को 'आदिपुरुष' के हिंदी वर्जन की कमाई 38 करोड़ रुपये से ज्यादा हुई है. पहले दिन फिल्म ने हिंदी में 37.25 करोड़ और दूसरे दिन 38 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इस हिसाब से रविवार को 'आदिपुरुष' का हिंदी कलेक्शन थोड़ा सा और बेहतर हुआ है. पहले वीकेंड सिर्फ हिंदी वर्जन से ही 'आदिपुरुष' की कमाई 110 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है.

लेकिन पहले दिन फिल्म को रिकॉर्डतोड़ ओपनिंग दिलाने में इसके तेलुगू वर्जन का योगदान जबरदस्त था. रिपोर्ट्स बताती हैं कि शुक्रवार को

'आदिपुरुष' ने तेलुगू वर्जन से ही करीब 48 करोड़ रुपये की कमाई की थी. यानी पहले दिन फिल्म ने तेलुगू में, हिंदी के मुकाबले 10 करोड़ से भी ज्यादा कमाई की थी. लेकिन शनिवार को 'आदिपुरुष' के तेलुगू वर्जन की कमाई 27 करोड़ से थोड़ी कम ही रही.

रविवार को फिल्म का इंडिया कलेक्शन शनिवार की कमाई से थोड़ा ही ज्यादा रहा. जबकि हिंदी वर्जन का कलेक्शन थोड़ा बेहतर हुआ है. लेकिन तीसरे दिन भी 'आदिपुरुष' के तेलुगू वर्जन की कमाई थोड़ी में कुछ खास जंप नहीं देखने को मिला. रविवार को 'आदिपुरुष' के तेलुगू वर्जन ने 28 करोड़ रुपये से थोड़ा ज्यादा कलेक्शन किया.

पांच भाषाओं में रिलीज हुई प्रभास की फिल्म ने पहले दो दिन मलयालम, तमिल और कन्नड़ वर्जन में 1-1 करोड़ से भी कम कमाई की थी. और तीसरे दिन का ट्रेंड भी ऐसा ही नजर आ रहा है. यानी 'आदिपुरुष' के टोटल इंडिया कलेक्शन में अब सिर्फ हिंदी वर्जन की परफॉरमेंस ही बेहतर चल रही है. ऐसे में सोमवार से फिल्म की बॉक्स ऑफिस कमाई में अच्छी-खासी गिरावट देखने को मिल सकती है. अभी तक 3 दिन में फिल्म का इंडिया कलेक्शन 220 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है.

साहित्य, करण वाणी

जीवन में पाने से ज्यादा जरूरी छोडना होता है: डॉ विदुषी

जीवन में काई बार पाने से ज्यादा जरूरी छोडना होता है
जो तुम्हारा दिल से हो पर हक से नहीं
मन से हो परंतु समय में नहीं
वह जिसके हिस्से का है उसके लिए छोड़ना होता है..
काई बार खुशी हासिल होकर भी तकलीफ देती है
ऐसी चाहतों से सही वक्त पर मुंह मोडना होता है
दिल मजबुत कर तुम्हें उससे छोडना होता है
जिंदगी में काई बार पाने से ज्यादा जरूरी छोडना होता है
तुम्हारी हथेली में जो है वो हासिल मुकाम तुम्हारा होगा
जो किसी और की दुआ में हो उससे दान की भाती मोह छोड़ना होता है..
तुम्हें उससे छोड़ना होता है
जो धूमिल तुम अपनी आंखें उन अधूरी ख्वाहिशों से रखोगे
कैसे आने वाले नए अवसर से जीत का स्वाद चखोगे

इसी करण बिना वक्त बरबाद किए मुह मोड़ना पड़ता है

समय रहते जो बीत गया उसे छोडना पड़ता है

डॉ विदुषी सिंह
एमबीबीएस एमडी केजीएमसी लखनऊ

धार्मिक मतभेद

तुम वही तक साथ चले, हम उससे आगे आ गए,
तुमने उसका साथ छोड़ा, तो हम मंजिल पा गए!

तुम्हारी नियत बुरी थी , तो तुम दगा कर गए,
हमने उससे वफा की थी , तो हम वफा पा गए॥

तुमने की कई कोशिशें उसे बेचने की फिर भी नाकाम हो गए॥
हमने जो अपनाने की हिम्मत दिखाई तो हम जमाने में छा गए॥

मुहब्बत में उससे दगा करके भी तुम गुमनाम रह गए!
हमने खुले आम निभाई तो हम बदनाम हो गए॥

जाति पाति के फासले में हम हिंदू मुसलमान हो गए,
सलमा सी की मुहब्बत तो दुश्मन सलमान हो गए॥

कई मासूमों से दगा करके भी वो तो पाक हो गए॥
हम ने एक सलमा क्या पटाई हम तो नापाक हो गए॥

सुनो पत्थर तुमने भी पूजा और पत्थर हमने भी,
तुमने पूजा तो अल्लाह हम पूजे था भगवान हो गए॥

मतभेदों की इस लड़ाई में भारतीय दोनो थे पर,
एक हिंदू हो गया तो दूसरे मुसलमान हो गए॥

जाति पति के इस फासले में हम हिंदू मुसलमान हो गए..... ॥

प्रभाकर सिंह रनवीर
अध्यक्ष कल्लोल परिवार
अवध विश्वविद्यालय

फिल्म आदिपुरुष बनाने में फ्रीडम ऑफ क्रिएटिविटी का दुरुपयोग किया गया है: डी पी गुप्ता

सुलतानपुर (करण वाणाी। सम्पूर्ण भारत में फिल्म आदिपुरुष पर हो रहे विवाद पर अपनी राय व्यक्त करते हुए मानव अधिकार संरक्षण के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी पी गुप्ता ने कहा कि सनातन धर्म में हजारों साल से छेड़छाड़ हो रही है जो तथाकथित उन स्वार्थी बुद्धिजीवियों द्वारा की जाती रही है, जो दुर्भाग्य से उस वक्त के ताकतवर लोगों में शामिल थे। इन्ही ताकतों द्वारा की गई छेड़छाड़ को भविष्य में धर्म का हिस्सा मान लिया जाता रहा जिसका दंश आज भी हिंदू समाज झेल रहा है। अनेक विवादित विषय हैं जिनकी वजह से हिन्दू समाज आज भी विघटित है। इस बात का इशारा हाल में ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी यह कहते हुए किया था कि हिन्दू धर्म में जातिवाद की स्थापना पुरातन काल के कुछ स्वार्थी तत्वों द्वारा किया गया था जो उस वक्त के धर्म के ताकतवर ठेकेदारों में शामिल रहे।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की कही बात आज प्रत्यक्ष रूप से सही साबित हो रही है जिसका ज्वलंत उदाहरण मनोज मुंतसिर शुक्ला हैं जिन्होंने फिल्म आदि पुरुष में ऐसे डायलॉग लिखे जो आने वाली पीढ़ियों को दिग्भ्रमित कर सकती हैं। मनोज मुंतसिर शुक्ला? वही व्यक्ति हैं जो कि एक सनातनी होने के बावजूद अपने नाम में छेड़छाड़ कर उसमें उर्दू शब्द मुंतशिर को शामिल कर लिया है। आज जबकि हिन्दुओं के आराध्य भगवान राम पर आधारित एक ऐसी फिल्म बन कर सामने आयी है जिसमें पवित्र रामायण शब्द को ही हटाकर उसे आदिपुरुष नाम दे दिया गया है। इस फिल्म में फ्रीडम ऑफ क्रिएटिविटी के नाम पर प्राचीन सनातन मूल्यों के साथ पूरी तरह छेड़छाड़ कर दी गई है। रामायण के सभी चरित्रों का किरदार निभाने वालों की वेशभूषा , पहनावा, चेहरा, भाषा, भाव-भंगिमा को ऐसा दशार्या गया है जो ग्रंथों में वर्णित सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप नही है। इस फिल्म में मुंतशिर शुक्ला के डायलॉग को लेकर हिन्दू समाज में ज्यादा आक्रोश व्याप्त हो चुका है जो सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे देश में उभर कर सामने आ रहा है। आज हो रहे इसी प्रबल विरोध के चलते आदि पुरुष के निमार्ता को फिल्म के विवादित भाषा और द्दष्यों में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है जो आने वाले वक्त में फिल्म निर्देशकों, लेखकों के लिए सीख होगी कि वे हिन्दू धर्म से संबंधित कोई भी फिल्म बनायें तो उस पर गंभीरता के साथ रिसर्च अवश्य करें ताकि भविष्य में कोई विवाद न उत्पन्न हो।

बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए 27 जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त, पांच बिंदुओं पर देंगे रिपोर्ट

अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता खुद मध्यांचल से जुड़े विभिन्न जिलों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं, जबकि कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार पश्चिमांचल के विभिन्न जिलों में डेरा डाले हुए हैं। इसी तरह अन्य अधिकारियों को भी विभिन्न जिलों में भेजा गया है।

करण वाणी, न्यूज

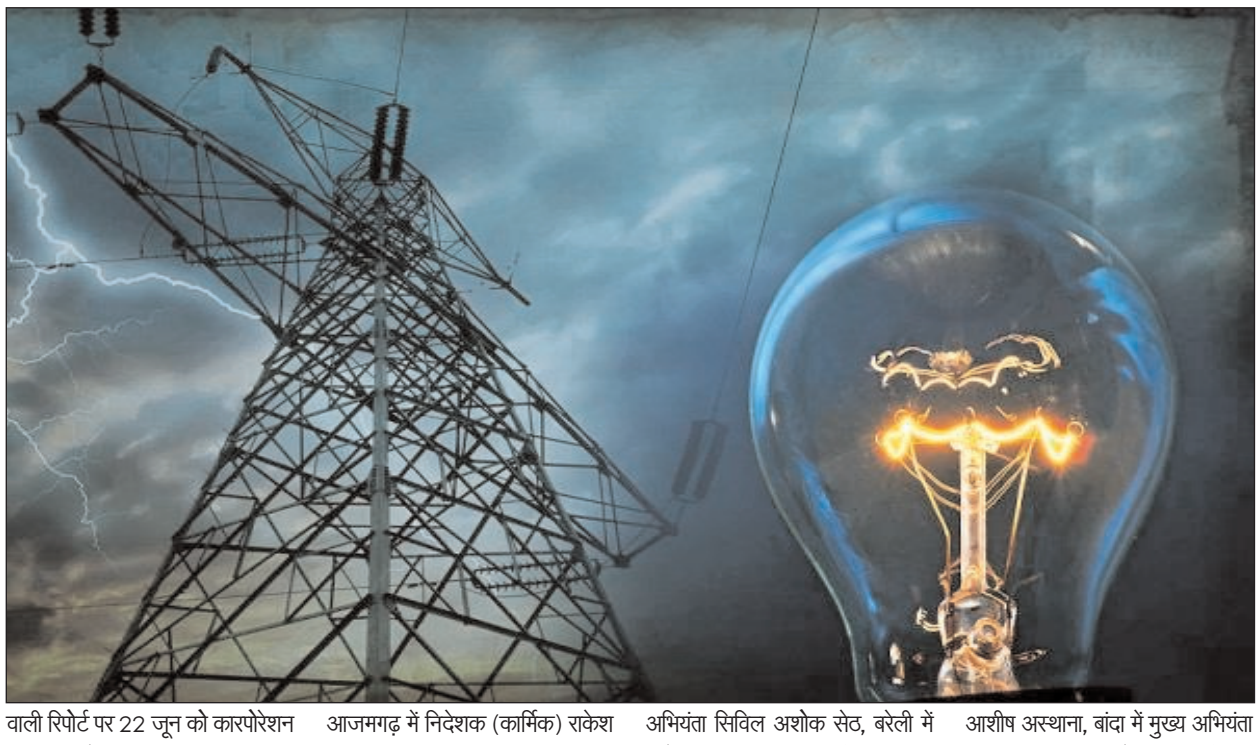

यूपी में बेपटरी हुई बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए नई रणनीति अपनाई गई है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव, कॉरपोरेशन प्रबंध निदेशक सहित आला अफसर फील्ड में उतर गए हैं तो मंडल मुख्यालय सहित 27 जिलों में नोडल अधिकारी तैनात कर दिया गया है। ये अधिकारी विद्युत व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए जिले में की जा रही व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। बिजली आपूर्ति की स्थिति से लेकर स्टोर में उपलब्ध सामग्री सहित पांच बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार करेंगे।

प्रदेश में खपत के अनुरूप बिजली उपलब्ध है। इसके बाद भी विभिन्न इलाके के उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिल पा रही है। इसके पीछे बड़ी वजह संसाधनों का अभाव बताया जा रहा है। ऐसे में अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता खुद मध्यांचल से जुड़े विभिन्न जिलों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं, जबकि कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार पश्चिमांचल के विभिन्न जिलों में डेरा डाले हुए हैं। इसी तरह अन्य अधिकारियों को भी विभिन्न जिलों में भेजा गया है।

इस बीच रविवार को पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज ने मंडल मुख्यालय सहित 27 जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिया है। ये अधिकारी 19 से 21 जून तक संबंधित जिले में भ्रमण कर पांच सूत्री रिपोर्ट भी तैयार करेंगे। इसमें विद्युत आपूर्ति, क्षतिग्रस्त पावर एवं वितरण परवर्तकों की स्थिति, वर्कशॉप में वितरण प्रवर्तक की उपलब्धता की स्थिति, स्टोर में सामग्री की उपलब्धता की स्थिति तथा विद्युत आपूर्ति संबंधित शिकायतों के निस्तारण की स्थिति पर रिपोर्ट देंगे। जिलों से आने वाली रिपोर्ट पर 22 जून को कारपोरेशन मुख्यालय में समीक्षा की जाएगी। फिर संबंधित जिले के लिए अगली रणनीति तैयार होगी।

ये हैं नोडल अधिकारी

मुरादाबाद की जिम्मेदारी कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार और कानपुर की जिम्मेदारी पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक गुरु प्रसाद को सौंपी गई है। इसी तरह आजमगढ़ में निदेशक (कार्मिक) राकेश प्रसाद, मऊ मं मुख्य अभियंता अजय अग्रवाल, मिजार्पुर में मुख्य अधियंता पंकज मालवीय, गाजीपुर में मुख्य अभियंता महेंद्र कुमार, गोरखपुर में निदेशक (प्रोजेक्ट) संजय कुमार दत्ता, वाराणसी में निदेशक (आपरेशन) पियूष गर्ग, प्रयागराज में मुख्य अभियंता दीपक रायजादा, अयोध्या में निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) मृगांक शेखर, गोंडा में मुख्य अभियंता सिविल अशोक सेठ, बरेली में निदेशक (वाणिज्य) अमित कुमार श्रीवास्तव, बहराइच में मुख्य अभियंता सिविल आफताब अहमद, शाहजहांपुर में मुख्य अभियंता आनंद कुमार, खीरी में मुख्य अभियंता (प्रगति) आरके तिवारी, लखनऊ में केवी सिंह निदेशक (वितरण), एटा मुख्य अभियंता अशोक सक्सेना, अलीगढ़ में मुख्य अभियंता संदीप तिवारी, मथुरा में मुख्य अभियंता आशीष अस्थाना, बांदा में मुख्य अभियंता राजीव ढांढा, झांसी में मुख्य अभियंता शैलेश, बुलंदशहर में मुख्य अभियंता पारेषण नैय्यर कमाल, मुजफ्फरनगर में मुख्य अभियंता सिविल राजीव सिंह, सहारनपुर में मुख्य अभियंता रेस्पो सैयद तारीफ जलील, गाजियाबाद में मुख्य अभियंता सुशील कुमार, नोएडा में मुख्य अभियता (वाणिज्य) सीवीएस गौतम को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में 1000 लोग एक साथ करेंगे योग

▶▶काशी से योगी का संदेश देने के लिए योगी सरकार ने बनाया बृहद् प्लान

▶▶नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बाबा विश्वनाथ से होगी दुनिया के निरामय की कामना

▶▶इसके अलावा काशी के 30 प्रसिद्ध घाटों पर भी सुबह सुबह आयोजित होंगे योग कार्यक्रम

करण वाणी, न्यूज

वाराणसी। आदियोगी भगवान शिव और विश्व के प्रथम योगगुरू महर्षि पतंजलि की कर्मभूमि है काशी नगरी। इस वर्ष 21 जून को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एक साथ 1000 लोग श्री काशी विश्वनाथ धाम से दुनिया को निरोग रहने का की कामना करेंगे। काशी से योगी का संदेश देने के लिए योगी सरकार ने बृहद् स्तर पर प्लान बनाया है। विश्वनाथ कॉरिडोर में योग दिवस के दिन एक साथ हजार लोग सूर्य नमस्कार भी करेंगे। विश्वनाथ धाम के अलावा काशी के प्रमुख 30 घाटों पर 21 जून को वृहद योग कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी चल रही है। इसके अलावा पर्यटन स्थलों, शिक्षण संस्थानों सहित अन्य जगहों पर भी योग दिवस पर कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी चल रही है। सरकार 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह भी मना रही है। इसके अलावा लोगों को जागरूक करने और भागीदारी के लिए ह्लहर आंगन योगह्व नारे के साथ सप्ताह भर से योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

वाराणसी के मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने बताया कि श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में एक साथ लगभग 1000 लोग योग करेंगे। धाम के मंदिर चौक क्षेत्र में इंटरनेशनल योगा डे पर योग का मुख्य कार्यक्रम होगा। वहीं क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ भावना द्विवेदी ने बताया कि नवम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कॉमन योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए काशी के अर्धचंद्राकार घाटों पर भी योग किया जाएगा। 30 प्रमुख घाटों को इसके लिए चिह्नित किया गया है। इसमें प्रमुख तौर पर नमो घाट, अस्सी, रविदास, राजघाट, सिंधिया घाट, बबुआ घाट, दशाश्वमेध घाट आदि हैं। क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय, स्कूल, सामाजिक संस्था, सरकारी विभाग आदि सभी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी में जुटे हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की ऋषि मुनियो की प्रचीन विद्या योग को विश्व पटल पर लाया है। अब नवम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उनके संसदीय क्षेत्र से 21 जून को योग की बड़ी तस्वीर दुनिया देखेगी। महादेव के आंगन में कार्यक्रम होगा तो इसका संदेश भी विश्व मे जाएगा और लोग निरोगी काया के लिए योग को जीवन का अंग बनाएंगे।

गोरखपुर के टॉप 5 माफिया का आशियाना जमींदोज

गोरखपुर में माफिया के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई जारी है. अब टॉप 5 माफिया के मकान को जमींदोज कर दिया गया. कार्रवाई से पहले बेशकीमती और गृहस्थी के सामान को बाहर निकाला गया

गोरखपुर में टॉप फाइव माफिया विनोद उपाध्याय के मकान पर शानिवार को बुलडोजर चल गया. सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया गया मकान देखते-देखते जमींदोज हो गया. माफिया विनोद उपाध्याय के खिलाफ चार हत्याओं, रंगदारी, जमीन कब्जा करने, गैंस्टर समेत कई गंभीर धाराओं में 32 मुकदमे दर्ज हैं. 50 हजार का इनामी माफिया जांच एजेंसियों की रडार से अभी तक दूर है. माफिया विनोद उपाध्याय की गोरखपुर पुलिस समेत यूपी एसटीएफ को भी तलाश है. जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश के आदेश पर मोगलहा में जीडीए ने अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाया.

अब टॉप 5 माफिया के मकान पर गरजा बुलडोजर

कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस मौजूद रही. गुलरिहा थानाक्षेत्र स्थित मकान को गिराने में दो बुलडोजर और दो दर्जन से अधिक मजदूरों की मदद ली गई. फरार विनोद उपाध्याय का मकान ध्वस्त करने की कार्रवाई दोपहर 12.45 बजे जीडीए ने शुरू की. कार्रवाई से पहले घर में रखे बेशकीमती सोफा, आलमारी, एसी, टीवी, फ्रीज और गृहस्थी का सभी सामान बाहर निकाल दिया गया. विनोद उपाध्याय ने बरसों पहले कोल्ड स्टोरेज के नाम से दर्ज सरकारी जमीन पर कब्जा करना शुरू किया था.

500 स्क्वायर मीटर यानी लगभग 5 हजार स्क्वायर फीट जमीन की कीमत 5 करोड़ है. करोड़ों रुपए खर्च कर मकान बनाकर रहने वाला विनोद उपाध्याय का परिवार 5 दिन पहले कीमती गृहस्थी का सामान छोड़कर फरार हो गया था. विनोद उपाध्याय पर धमकी देकर जमीन बेचने के लिए मजबूर करने का भी आरोप है. एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि माफिया विनोद उपाध्याय फरार चल रहा है. 50 हजार के इनामी पर 32 संगीन मुकदमे दर्ज हैं. हत्या और गैंगस्टर के चार-चार मुकदमे हैं.

386 और 307 का भी मामला दर्ज है. विनोद उपाध्याय ने कई साल पहले कोल?ड स्टोरेज के नाम पर दर्ज संपत्ति को हथियाना शुरू किया. जमीन की कीमत 5 करोड़ रुपए है. करोड़ों रुपए का मकान भी बनाया है. आसपास की जमीनों को औने-पौने दाम पर बेचने के लिए दबाव भी डाल रहा था. माफिया विनोद उपाध्याय के खिलाफ हाल ही में तीन नए मुकदमे भी दर्ज हुए हैं. मामला रंगदारी मांगने का है.

माफिया के खिलाफ सामने आने पुलिस ने अपील

फरार माफिया के खिलाफ इनाम की राशि बढ़ाई जाएगी. उन्होंने बताया कि जीडीए की ओर से पहली बार नक्शा नहीं होने के कारण कार्रवाई की जा रही है. कार्रवाई का असर अन्य बदमाशों के ऊपर भी पड़ेगा. लोगों से अपील है कि किसी भी माफिया की धमकी से नहीं डरें. चिंता को बेफिक्र होकर पुलिस से साझा करें. पुलिस इंसाफ दिलाने के साथ पीड़ित को सुरक्षा भी देगी. विनोद उपाध्याय को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस और एजेंसियां लगी हैं. जीडीए के प्रभारी अधिकारी अधिशासी अभियंता किशन सिंह ने बताया कि 500 स्क्वायर मीटर के प्लॉट में 210 स्क्वायर मीटर पर निर्माण किया गया है.

2023 में 6500 करोड़पति छोड़ सकते हैं भारत, किस देश को होगा सबसे ज्यादा फायदा?

लगभग 6,500 करोड़पति लोग भारत छोड़ने वाले हैं. ये सभी करोड़पति इसी साल दूसरे देश में बस जाएंगे. भारत के टैक्स कानून, बाहर पैसा भेजने के सख्त नियम और अन्य कारणों को इसकी वजह माना जा रहा है।

करण वाणी, न्यूज

2023 में लगभग 6,500 सुपर-रिच लोगों के भारत छोड़ने की उम्मीद है. अंतरराष्ट्रीय निवास और नागरिकता सलाहकार फर्म हेनले एंड पार्टनर्स की रिपोर्ट के मुताबिक 10 लाख डॉलर (8.2 करोड़ रुपये) से ज्यादा की संपत्ति वाले लोगों की संख्या चीन के बाद भारत में है. बता दें कि पिछले साल 2022 में 7,500 करोड़पतियों ने भारत छोड़ा था.

लेकिन इतने सारे अमीर विदेश क्यों जा रहे हैं? और वे कहां जा रहे हैं?

इंडियन एक्सप्रेस ने प्राइवेट वेल्थ एंड फैमिली ऑफिस की पार्टनर सुनीता सिंह-दलाल के हवाले से लिखा, भारत के टैक्स कानून, बाहर पैसा भेजने के सख्त नियम और अन्य कारणों से लोग देश छोड़ रहे हैं.

कंपनी के निजी ग्राहकों के समूह प्रमुख डोमिनिक वोलेक ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और यहां तक कि क्रिप्टो पर सरकार की तरफ से बनाए गए नियमों के अलावा और भी कई दूसरी वजहें हो सकती हैं.

हेनले एंड पार्टनर्स के सीईओ जुएर्ग स्टेफेन ने फोर्ब्स को बताया कि करोड़पतियों का जाना अक्सर अधिकारियों के लिए एक चेतावनी का संकेत होता है. उन्होंने कहा, "संपन्न परिवार बेहद गतिशील होते हैं, उनका देश छोड़ के जाना देश के आर्थिक दृष्टिकोण और भविष्य के लिए एक चेतावनी हो सकती है.

किन देशों को कितना होगा नुकसान

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक करोड़पतियों के चीन से विदेश जाने पर चीन को 13,500 एचएनआई (हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल') का नुकसान होगा. रिपोर्ट के मुताबिक, "चीन का बड़े पैमाने पर धनी लोगों को खोना जारी है.

बीते कुछ सालों में धन बढ़ना धीमा हो गया है. इससे धनी लोगों के देश छोड़ने का पहले से ज्यादा नुकसान होगा. बता दें कि चीन की वावे कंपनी पर अमेरिका, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े बाजारों में प्रतिबंध है. इसका गहरा असर पड़ सकता है.

ब्रिटेन को 3,200 एचएनआई और रूस को 3,000 एचएनआई का नुकसान होने की आशंका जताई गई है.

अपना देश छोड़ कहां जांएगे ये भारतीय

फर्स्ट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का कहना है कि देश छोड़ने वाले ज्यादातर भारतीय करोड़पति दुबई और सिंगापुर जैसे देशों में जा सकते हैं. बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार दुबई का 'गोल्डन वीजा प्रोग्राम', इसके कर कानून और व्यापार प्रणाली भारत के अमीरों के बीच बारहमासी पसंदीदा हैं. फोर्ब्स के अनुसार पुर्तगाल हाल तक भारतीय अमीरों के लिए लोकप्रिय स्थान था.

कोरोना से पहले तक करोड़पतियों का सबसे पंसदीदा देश अमेरिका था

फोर्ब्स ने रिपोर्ट के हवाले से कहा, "सिंगापुर, स्विट्जरलैंड और यूएई ने न

केवल रहने के लिए बल्कि धन के संरक्षण के लिए भी अपनी प्रतिष्ठा बनाई है. इन देशों ने खुद को अत्यधिक आकर्षक व्यापार केंद्रों के रूप में भी स्थापित किया है. इन देशों में कंपनियां अनुकूल कॉर्पोरेट टैक्स दरों का फायदा उठाती हैं.

बिजनेस टुडे में छपी रिपोर्ट के मुताबिक जिन देशों में एचएनआई की आमद देखी जाती है, उनमें लगभग हमेशा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के माध्यम से नागरिकता की अनुमति दी जाती है.

क्या देश को इससे कोई नुकसान होगा?

न्यू वर्ल्ड वेल्थ के रिसर्च हेड एंड्रयू एमोइल्स ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'ये पलायन विशेष रूप से चिंताजनक नहीं हैं, क्योंकि भारत प्रवासन की तुलना में कहीं अधिक नए करोड़पति पैदा करता है.

हेनले एंड पार्टनर्स इंडिया के निदेशक (निजी ग्राहक) रोहित भारद्वाज ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि भारत में करीब 3,57,000 एचएनआई बचे हैं.भारद्वाज ने कहा कि भारत एक 'मजबूत धन उपस्थिति' दिखाता है.

दिसंबर 2021 में लोकसभा में पेश किए गए गृह मंत्रालय (एमएचए) के आंकड़ों के अनुसार, 8,81,254 भारतीयों ने 2015 के बाद से विभिन्न कारणों से देश छोड़ दिया. इसका मतलब है कि पिछले सालों से रोजाना 345 लोग देश छोड़कर जा रहे हैं.

इन्हीं प्रवासियों में एचएनआई भी शामिल हैं, जो कई कारणों से वर्षों से भारतीय नागरिकता का त्याग कर रहे हैं.

ग्लोबल वेल्थ माइग्रेशन रिव्यू के अनुसार, एचएनआई के प्रवासन से धन प्रवासन भी होता है. जो दूसरे देश यानी वो देश जिसमें लोग जा कर बस रहे हैं, उसके लिए फायदेमंद होता है.

अगर कोई देश प्रवासन की वजह से बड़ी संख्या में एचएनआई खो रहा है, तो यह उस देश में गंभीर समस्याओं के कारण हो सकता है जैसे कि उच्च अपराध दर, व्यावसायिक अवसरों की कमी, और राजनीतिक अस्थिरता.

ग्लोबल वेल्थ माइग्रेशन रिव्यू द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, एचएनआई अन्य देशों में जाना पसंद करते हैं:

महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा

जीवन शैली: बेहतर जलवायु, कम प्रदूषण, प्रकृति

अपने बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा

काम और बेहतर व्यापार के अवसर (व्यापार करने में आसानी)

7 साल में 8.81 लाख भारतीयों ने छोड़ी नागरिकता

दिसंबर 2021 में लोकसभा में एक सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि 1 जनवरी 2015 से 21 सितंबर 2021 के बीच 8,81,254 लोगों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ दी थी।

कच्चे तेल की रूस से आपूर्ति पर पाकिस्तान फिर बेनकाब

करण वाणी, न्यूज

कंगाल पाकिस्तान आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। आटे दाल के लिए लोग जूझ रहे हैं। वहीं पेट्रोल और डीजल के दाम पाकिस्तान में आसमान छू रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान इस कोशिश में रहा कि उसे रूस से भारत की तरह रियायती दरों पर कच्चा तेल मिल जाए। रूस ने उसे कच्चा तेल दिया तो पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने अपनी आवाम में यह फैला दिया कि रूस ?विशेष छूट के साथ पाकिस्तान को कच्चा तेल निर्यात कर रहा है। लेकिन अब रूस के मंत्री ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। कोई विशेष रियायत नहीं दी गई है।

रूसी ऊर्जा मंत्री निकोलाई शुलगिनोव ने कहा है कि रूस देश पाकिस्तान को विशेष छूट पर तेल नहीं दे रहा है। अमेरिकी मीडिया ने रूसी सरकारी मीडिया का हवाला देते हुए कहा, ह्यपाकिस्तान को तेल की डिलिवरी शुरू हो गई है, पर पाकिस्तान को कोई विशेष रियायत नहीं दी गई है। पाकिस्तान के लिए कच्चे तेल के दाम दूसरी खरीदार देशों की ही तरह हैं।

तेल की आपूर्ति पर पाकिस्तान मना रहा जश्न!

पाकिस्तान में रूसी तेल की डिलिवरी शुरू होने को जश्न के तौर पर देखा जा रहा है। खुद शहबाज शरीफ ने इस डील को रूस और पाकिस्तान के बीच रिश्ते की मील का पत्थर बताया था। पाकिस्तानी पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा था कि रूस से आया कच्चा तेल विशेष डिस्काउंट पर खरीदा गया है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ रूस के मंत्री ने कुछ और ही बात कही है।

रूसी ऊर्जा मंत्री ने कही ये बात

रूस के ऊर्जा मंत्री निकोलाई शुलगिनोव ने शुक्रवार को सेंट पीटर्सबर्ग में कहा कि पाकिस्तान को तेल की डिलीवरी शुरू हो गई है। हालांकि, पाकिस्तान को कोई विशेष छूट नहीं दी गई है। वह हमारे अन्य खरीदारों के ही समान है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान कच्चे तेल के बदले चीनी मुद्रा युआन में भुगतान करने पर सहमत हो गया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि कराची में बंदरगाह पर पहला रूसी रियायती कच्चा तेल कार्गो आया है और उसे खाली भी किया जा चुका है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री ने बाद में खुलासा किया कि पाकिस्तान ने पहले सरकार-से-सरकार के तहत हुई रूसी कच्चे तेल के आयात के लिए युआन में भुगतान किया था।

पाकिस्तानी मंत्री ने भुगतान पर रखा अपना पक्ष

रूसी ऊर्जा मंत्री शुलगिनोव ने पाकिस्तानी पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक के इस दावे की पुष्टि की। उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तान रूस को चीनी मुद्रा में भुगतान कर रहा है। इस पर शुलगिनोव ने कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि भुगतान मित्र देशों की मुद्रा में किया जाएगा। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि वस्तु विनिमय आपूर्ति के

मुद्दे पर भी चर्चा हुई है, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं किया गया है।

पाकिस्तानी मंत्री बोले- रूसी तेल फायदेमंद

पाकिस्तानी पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक का दावा है कि रूस के यूराल क्रूड की खरीद से लाभ ज्यादा है और कमियां कम हैं। उन्होंने बताया कि रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति अगले कुछ महीनों में सुचारू हो जाएगी और पाकिस्तान रिफाइनरी लिमिटेड (पीआरएल), पाक-अरब रिफाइनरी (पारको) और निजी रिफाइनरियों को भी शिपमेंट मिलना शुरू हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भले ही परिवहन लागत और बीमा प्रीमियम में वृद्धि हुई है, इसके बावजूद यूराल क्रूड अभी भी पाकिस्तान के लिए काफी फायदेमंदपाकिस्तान फिर बेनकाब, रूस ने खोली पोल, कहा 'कच्चे तेल पर हमने नहीं दी विशेष रियायत'

रूस के ऊर्जा मंत्री निकोलाई शुलगिनोव ने शुक्रवार को सेंट पीटर्सबर्ग में कहा कि पाकिस्तान को तेल की डिलीवरी शुरू हो गई है। हालांकि, पाकिस्तान को कोई विशेष छूट नहीं दी गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800